HIndi Murli Quiz 14-08-2015

.

Q.1) **ऐसी ______बनो जो आपकी किरणें विश्व को रोशन करती रहें।**

- **A.** शुभचिंतक मणी
- **B.** श्रेष्ठ आत्मा
- **C.** पवित्र आत्मा
- **D.** मस्तक मणी

Q.2) **बड़े ते बड़ी मंजिल है____ की।**

- **A.** सूर्यवंशी घराने
- **B.** निर्विकारी बनने
- **C.** याद
- **D.** आत्म-अभिमान

Q.3) **बहुत मनुष्य जाते हैं स्नान करने। क्यों स्नान करने जाते हैं? ____________। तो जहाँ-जहाँ मनुष्य स्नान करने जाते हैं वहाँ जाकर सर्विस करनी चाहिए।**

- **A.** पावन होना चाहते हैं
- **B.** भक्ति मार्ग के धक्के खाते हैं
- **C.** मेलों आदि में जाने का शौक है
- **D.** पाँच तत्वों के पुजारी हैं

Q.4) **Match the following**

	Choice	Match
A	नॉलेजफुल का अर्थ फिर मनुष्य समझते हैं सबके दिलों को जानने वाला है। भगवान देखते हैं तब तो कर्मों का फल देते हैं।	बाप कहते हैं यह ड्रामा में नूँध है। ड्रामा में जो विकर्म करते हैं तो उनकी सज़ा होती जाती है।
B	बाप कहते हैं तुम्हारे 84 जन्मों की कहानी सुनाता हूँ।	84 लाख जन्म हों तो कितने वर्ष सुनाने में लग जायें। तुम तो सेकण्ड में जान जाते हो - यह 84 जन्मों की कहानी है। हमने 84 का चक्र कैसे लगाया है, 84 लाख हो तो सेकण्ड में थोड़ेही समझ सकते।
C	विकर्म भस्म हो कर्मातीत अवस्था कैसे हो जाए	इसके लिए यह युक्ति बताई है। बाकी समझाते हैं इस जन्म में जो भी विकर्म किये हुए हैं वह लिखकर दो तो बोझ हल्का हो जाए।
D	जबसे रावण राज्य शुरू हुआ है तो कर्म विकर्म हो पड़ते हैं। सतयुग में कर्म अकर्म होते हैं।	भगवानुवाच-तुमको कर्म-अकर्म-विकर्म की गति को समझाता हूँ।
E	इस ब्रह्मा के ऊपर भी कोई है ना, जिसने सिखाया होगा।	अगर कोई गुरू ने सिखाया होता तो उस गुरू का सिर्फ एक शिष्य तो नहीं हो सकता।
F	यह है बेहद का ड्रामा। इसमें डिटेल में नहीं समझ सकेंगे।	वह तो 2 घण्टे का ड्रामा होता है। डीटेल में पार्ट जानते हैं। यह तो 84 जन्मों को जानना होता है।

Q.5) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

- **A.** सबसे बड़ा पाप है काम कटारी चलाना। यही आदि-मध्य-अन्त दु:ख देने वाला है इसलिए सन्यासी भी कहते यह काग विष्टा समान सुख है।
- **B.** जब कोई शरीर छोड़ता है तो मनुष्य कहते हैं स्वर्गवासी हुआ। परन्तु यह थोड़ेही समझते कि हम नर्क में हैं।
- **C.** सन्यासियों को भी तुम ज्ञान दे सकते हो। तुम सारी सृष्टि के कल्याणकारी हो। श्रीमत पर हम विश्व का कल्याण कर रहे हैं-बुद्धि में यह नशा रहना चाहिए।
- **D.** तुम गुप्तवेष में इस पुरानी दुनिया का परिवर्तन कर रहे हो। अननोन वारियर्स हो। तुमको कोई नहीं जानते। बाबा भी गुप्त, नॉलेज भी गुप्त। इनका कोई शास्त्र आदि बनता नहीं, और धर्म स्थापक के बाइबिल आदि छपते हैं जो पढ़ते आते हैं।
- **E.** अभी भादों का मास आता है, सभी पित्रों को खिलाते हैं। वह भी युक्ति से करना चाहिए, नहीं तो कहेंगे कि ब्रह्माकुमारियों के पास जाकर सब कुछ छोड़ दिया है। ऐसा कुछ नहीं करना है, जिसमें नाराज हों। युक्ति से तुम ज्ञान दे सकते हो।

Q.6) **तुम बच्चे समझते हो हम सब _____ धारण करने वाले हैं। ____ से कोई का गला नहीं काटते हैं। जैसे कृष्ण के लिए दिखाया है। अब यह लक्ष्मी-नारायण विष्णु के दो रूप हैं। क्या उनको ____ है? फिर कृष्ण को ____ क्यों दिखाते हैं? एक मैगज़ीन निकालते हैं, जिसमें कृष्ण के ऐसे बहुत चित्र दिखाते हैं। बाप तो आकर तुम्हें राजयोग सिखाते हैं, न कि ____ से असुरों का घात करते हैं।**

- **A.** देह
- **B.** अलंकार
- **C.** स्वदर्शन चक्र
- **D.** ज्ञान के अस्त्र-शास्त्र

Q.7) **जो सर्व विकर्मों की जड़ _______ है, उस _______ में कभी न आयें, यह ध्यान रखना है।**

A. ○ अहंकार
B. ○ काम
C. ○ लोभ
D. ◉ देह-अभिमान

Q.8) **असुर उनको कहा जाता, ...**

A. ○ जो दूसरों को दुःख देते हैं।
B. ○ जो विकारी होते हैं।
C. ◉ जिनका आसुरी स्वभाव है।
D. ○ जो हिंसक प्रवृत्ति के होते हैं।

Q.9) **तुम बच्चे ____ बाप का राज़ भी सबको समझा सकते हो।**

- 3
- ३
- तीन
- तिन
- teen
- tin
- ten

Q.10) **अच्छे और बुरे का फल जरूर मिलता है, अन्त में _____ खाता है।**

A. ○ लालच
B. ◉ विवेक
C. ○ परचिन्तन
D. ○ मन